

प्रेषक,

एस0 कृष्णन्,  
प्रमुख सचिव,  
उत्तरांचल शासन।

सेवा में,

पुनर्वास निदेशक,  
टिहरी बॉध परियोजना,  
नई टिहरी।

सिंचाई विभाग,

देहरादून: दिनांक: 15 अक्टूबर, 2004

विषय:- हरिद्वार जनपद में विस्थापितों को आवंटित भूमि की श्रेणी परिवर्तन  
के सम्बन्ध में।

महोदय,

उपर्युक्त विषयक आपके पत्र संख्या:-890/पु0नि0टोबा0पार0 / भूमि/04, दिनांक 23.08.2004 का कृपया सन्दर्भ ग्रहण करें, जिसके द्वारा आपने हरिद्वार जनपद में सिंचाई विभाग की भूमि जो टिहरी बॉध से प्रभावित विस्थापितों को आवंटित की गयी थी, को भूमिधरी अधिकार दिये जाने के परिपेक्ष्य में भूमि की श्रेणी नॉन जैडए (Non-ZA) से जैडए (ZA) श्रेणी में परिवर्तित करने का अनुरोध किया गया था।

इस सम्बन्ध में मुझे यह कहने का निदेश हुआ है कि टिहरी बॉध परियोजना के विस्थापितों के पुनर्वास हेतु जिला हरिद्वार के अन्तर्गत पथरी रोह तथा रानीपुर रोह में चिन्हित एवं आवंटित भूमि क्रमशः 674.02 एकड़ तथा 86.00 एकड़ विस्थापितों को 99 वर्षों के लिए पट्टे पर आवंटित करने सम्बन्धी पूर्व में लिये गये निर्णय को संशोधित करते हुए आवंटित भूमि पर आवंटी को भूमिधरी अधिकार, जिसके अन्तर्गत भूमि के कय-विकय आदि समस्त अधिकार निहित होंगे, सुलभ कराने की श्री राज्यपाल महोदय सहर्ष अनुमति प्रदान करते हैं।

यह आदेश राजस्व विभाग के परामर्श से जारी किये जा रहे हैं।

भवदीय,

(एस0 कृष्णन्)  
प्रमुख सचिव।

संख्या:-3234 / 11-2004-12 / 1 / (62) / 03, तदिनांक।

प्रतिलिपि निम्नलिखित को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित:-

- 1- जिलाधिकारी, हरिद्वार।
- 2- प्रमुख सचिव, राजस्व विभाग, उत्तरांचल शासन।
- 3- निदेशक, राष्ट्रीय सूचना केन्द्र, सचिवालय परिसर।

आज्ञा से,

(अरविन्द सिंह ह्यांकी)  
अपर सचिव।